यूके-अमेरिका ने मांगी बीकानेरी जैतून की पत्तियों से बनी 'ऑलिटिया' चाय

शनिवार को मुख्यमंत्री ने लॉन्च की आलिव-टी ऑलिटिया, प्रदेश भर में सिर्फ बीकानेर में ही हो रही जैतून की खेती, बनी विश्वव्यापी पहचान

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

बीकानेर के सरकारी फार्म और किसानों के खेतों से चुनी गई हरी पत्तियों से बनी ऑलिव-टी 'ऑलिटिया' की पहचान प्रदेश-देश के अलावा दुनियां के कई देशों तक हो चुकी है। शनिवार को इस चाय का स्वाद मुख्यमंत्री ने भी चखा। इसे प्रोडक्ट के रूप में लॉन्च भी कर दिया। इसे विश्व की पहली पहली प्रोसेस्ड ऑलिव-टी बताया जा रहा है। यूनाइटेड किंगडम, यूनाइटेड स्टेट अमेरिका समेत खाड़ी देशों ने भी इसमें रुचि दिखाते हुए इसकी मांग की है। यूं तो ऑलिव-टी लॉन्च करने की तैयारी 2016 में ही हो चुकी थी। एग्रीटेक मीट 2016 में राजस्थान सरकार और निजी कंपनी ऑलिटिया फूड्स के बीच एमओयू हुआ था। कंपनी ने बीकानेर के सरकारी और किसानों के खेतों तैयार जैतून के पौधों से पत्तियां चुनी और उसकी चाय का प्रोडक्ट तैयार किया। इसे प्रदेश-देश के अलावा दुनियां के अन्य देशों में भी सप्लाई की जाएगी।

सरकारी फार्मों से मॉडल तैयार हुआ था लेकिन दो सालों में सवा सौ हैक्टेयर तक खेती फैल गई। धीरे धीरे किसान और रुचि दिखा रहे हैं। लूणकरणसर में जैतून का तेल भी तैयार होने लगा। चाय भी लॉन्च हो गई।

डॉ.उदयमान, उपनिदेशक कृषि विभाग

कोलायत पहुंचे इजराइल के ऑलिव वैज्ञानिक युवाल चैन : कोलायत के चक मुसाजमान में एक किसान ने अपने खेत में जैतून की खेती शुरू की। इजराइल के वैज्ञानिक युवाल चैन राजस्थान में जैतून खेती के लिए सलाहकार नियुक्त किए जा चुके हैं। इसलिए किसानों द्वारा की जा रही खेती को देखने वे रविवार को कोलायत पहुंचे। कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ.उदयमान, सहायक निदेशक जयदीप दोगने समेत तमाम अधिकारी भी उनके साथ थे। चैन ने किसान से खेती की पद्धति को समझा। कुछ कमियां सामने आई तो उसे सुधारा।

दो साल में 12 हजार लीटर जैतून का तेल का उत्पादन : तीन साल पहले लूणकरणसर में शुरू हुए जैतून के तेल उत्पादित केन्द्र ने दो साल में 12 हजार लीटर जैतून का तेल तैयार किया है। पहले वर्ष 3800 लीटर और दूसरे वर्ष 8000 लीटर। इस वर्ष इससे भी ज्यादा तेल निकालने का प्रयास है। ये उत्पादन सिर्फ सरकारी फार्मों से मिलने वाले फलों से हुआ है।